A Documentary Support

for

Matric No. – 1.1.1

Programme Outcomes & Course Outcomes

under the

Criteria – I

(Curriculum Design and Development)

Key Indicator - 1.1

in

Matric No. – 1.1.1

M.A. (SANSKRIT)

2017

Registrar
Dr. B.R.A. University, Agra

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

सत्र-2022-23

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – संस्कृत

PROGRAMME OBECTIVES, PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES, PROGRAMME OUTCOMES
COURSE OBJECTIVES & COURSE OUTCOME

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विषय संस्कृत (परास्नातक)

Programme Objectives (PO's)

- विद्यार्थियों में लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता में वृद्धि होगी।
- सहज एवं स्वभाविक रूप से भाषागत प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- विद्यार्थी आत्मविश्वास से युक्त होकर नेतृत्व क्षमता को धारण करेंगे।
- संस्कृत साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे।
- वेद वेदांगों का सस्वर पाठ कर सकेंगे।
- दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अबवोध होगा।

Programme Outcomes (PO's)

- भारतीय संस्कृति, नीति-शास्त्र, धर्म, दर्शन, आचार-व्यवहार के मूल तत्त्वों को आत्मसात कर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत-साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोध के प्रति दृष्टि का विकास होगा।

Programme Specific Outcomes: (PSO's)

- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण आदि) से परिचित होकर छात्र संस्कृत के मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित नैतिकता एवं जीवन मूल्यों को अनुग्रहण कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में सक्षम होंगे।
- संस्कृत व्यावकरण एवं भाषा वैज्ञानिक तत्त्वों के ज्ञान के आधार पर भाषा के शुद्ध लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- संस्कृत के प्राचीन महत्त्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता को देखते हुए संस्कृत को सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में पहचान पायेंगे।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

- वैदिक एवं औपनिषदिक-संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा। वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय-परिदृश्य का निदर्शन होगा।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विस्तृत पाठ्यक्रम

एम. ए. (संस्कृत) प्रथम-सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र **ASS-01** **वैदिक साहित्य-1**

Course Objective

- ऋग्वेदीय देवताओं का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
- ऋग्वेदीय ऋचाओं का परिचय प्राप्त होगा।
- वैदिक मन्त्रों का सस्वर पाठ कराना सीखेंगे।

Course Outcomes

- ऋग्वेदीय देवताओं का सामान्य परिचय प्राप्त कर स्तुतिपरक मंत्रों का अध्ययन कर पायेंगे।
- ऋग्वेदीय ऋचाओं का सस्वर पाठ कर कर्मकाण्ड में प्रवीण होंगे।
- ऋग्वेद की रचनाकाल एवं विभिन्न विद्वानों के मतों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit wise Division

इकाई-1 इन्द्र सूक्त, उषः सूक्त, अश्विनी सूक्त। (ऋक् सूक्त समुच्चय से)

इकाई-2 सोम सूक्त, विश्वदेवता सूक्त, पूषन् सूक्त। (ऋक् सूक्त समुच्चय से)

इकाई-3 इन्द्र, उषः, सोम, पूषन् का सारांश।

इकाई-4 वैदिक स्वर प्रक्रिया एवं पद-पाठ।

इकाई-5 ऋग्वेद का रचनाकाल –विभिन्न विद्वानों का मत तथा ईशावास्योपनिषद्-व्याख्या एवं विकल्पीय प्रश्न।

Reference

- ऋग्वेद संहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
- ऋक्सूक्त –सौरभ, डॉ. आर. के. लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
- ईशावास्योपनिषद्, डॉ. शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, वेदऋषि ट्रस्ट,

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

द्वितीय प्रश्न पत्र	ASS102	दर्शन-1

Course Objectives (CO's)

(1) षड् दर्शन का संक्षिप्त परिचय प्राप्त करना।

(2) भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

(3) दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ-बोध होगा।

(4) भारतीय दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

Course Outcomes (CO's)

(1) तर्क भाषा के दार्शनिक चिन्तन को गहनता के साथ आत्मसात करेंगे।

(2) छात्र आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन परम्परा ज्ञान प्राप्त करेंगे।

(3) भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान की आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

(4) भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit wise Division

इकाई-1 तर्कभाषा –व्याख्या एवं प्रश्न।

इकाई-2 संख्यकारिका- व्याख्या एवं प्रश्न।

इकाई-3 षड् दर्शन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई-4 जैन एवं बौद्ध दर्शन-सिद्धान्त पक्ष।

इकाई-5 चार्वाक एवं शैव दर्शन-सिद्धान्त पक्ष।

Reference

- भारतीय दर्शन भूमिका, नामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर, 1958
- भारतीय-दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में) राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989.
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्ण (अनु.) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली, 1989.
- सांख्यकारिका, डॉ. कुमारी विमला कर्णाटक, चौखंबा ओरियन्टालिया प्राच्य विद्या, दिल्ली -110007
- साङ्ख्यकारिका, डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव, चौखंबा प्रकाशन, नई दिल्ली।
- तर्कभाषा, पं. श्रीनाथ शास्त्री, तेलङ्ग:, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वनारस।
- तर्कभाषा, आचार्य विश्वेर सिद्धान्त शिरोमण, चौखंबा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

तृतीय प्रश्न पत्र	ASS103	व्याकरण एवं उसका दार्शनिक पक्ष

Course Objective's (CO)

- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अबोध होगा।
- व्याकरण के माध्यम से शब्दों के मूल प्रकृति, प्रत्ययों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा की गहराई को समझने के लिए प्रकृति, प्रत्ययज्ञान, विभक्ति ज्ञान, समास एवं संधि प्रकरण, शब्द ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Course Outcomes (CO's)

- महाभाष्य के माध्यम से अष्टाध्यायी का ज्ञान सुगमता से प्राप्त करेंगे।
- वेदाङ्गों में प्रमुखतम, व्याकरण के अध्ययन अध्यापन के महत्त्व को समझेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 संज्ञा प्रकरण एवं कारक तथा विभक्त्यर्थ-सिद्धान्त कौमुदी से।
इकाई-2 सन्धि प्रकरण-लघु सिद्धान्त कौमुदी से।
इकाई-3 समय प्रकरण लघु सिद्धान्त कौमुदी से।
इकाई-4 स्त्री प्रत्यय-लघु सिद्धान्त कौमुदी से।
इकाई-5 तिङन्त एवं एध् धातुएँ, अजन्त, राम, हरि गुरु, रमा की रूप सिद्धि।

Reference

- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराजाचार्य, भैमी व्याख्या, भीमसैन शास्त्री(1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली , 1993
- लघु-सिद्धान्त कौमुदी,(हिन्दी व्यख्या) गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचर्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंभा सुरभारतीय प्रकाशन।
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- लघु सिद्धांत कौमूदी, डॉ. उमेश चन्द पाण्डे, चौखंबा प्रकाशन।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

चतुर्थ प्रश्न पत्र	ASS104	काव्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र

Course Objectives (CO's)

- छात्रों को काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान होगा।
- काव्य सौन्दर्य तत्त्वों का ज्ञान होगा।
- अलंकार शास्त्रीय ग्रन्थों का ज्ञान होगा।
- नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का अनुशीलन करेंगे।

Course Outcomes (CO's)

- काव्य के हेतुओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- काव्य प्रयोजन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- शब्दालंकार एवं अर्थालंकारों के स्वरूप को भेद सहित समझ पाऐंगे।
- नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों के आधार पर रंगमंच एवं नाट्यशास्त्र के महत्त्व का ज्ञान होगा

Unit wise Division

इकाई-1 काव्य प्रकाश-प्रथम एवं द्वितीय उल्लास।
इकाई-2 काव्य प्रकाश-चतुर्थ उल्लास।
इकाई-3 काव्य प्रकाश-अलङ्कारों का विकास एवं अलंकार शास्त्रियों का परिचय।
इकाई-4 शब्दालङ्कार-अनुप्रास, यमक, श्लेष।
अर्थालङ्कार-उपमा, उत्प्रेक्षा रूपक, अतिश्योक्ति, उदाहरण, विशेषोक्ति, विभावना।
इकाई-5 भरत नाट्य शास्त्र- प्रथम एवं द्वितीय अध्याय-व्याख्यान एवं प्रश्न।

Reference

- आचार्य मम्मट विरचित, काव्यप्रकाश, संपादक-श्री हरीदत्त शर्मा,चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, चौखंबा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
- काव्यप्रकाश रहस्यम्, पं. श्री सीताराम, जयराम जोशी, पं. देवदत्त शास्त्री, विद्यानिधि, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- काव्यप्रकाशन, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
- नाट्यशास्त्र, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- नाट्यशास्त्रम, प्रो. यदुनाथप्रसाददुबे, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. संस्कृत द्वितीय सत्र विस्तृत पाठ्यक्रम

पंचम प्रश्न-पत्र **ASS-105** **वैदिक साहित्य-II**

Course Objectives (CO's)

- ऋग्वेद के विषय में विभिन्न भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के विचारों को समझेंगे,
- वर्तमान में वेदों की प्रासंगिकता और उपनिषदों की विषय-वस्तु का ज्ञान।
- ईशावास्योनिपषद् एवं मुण्डोपनिषद् का आलोचनात्मक अध्ययन करेंगे।

Course Outcomes (CO's)

- पाश्चात्य विद्वानों के विचारों की वर्तमान युग में प्रासंगिकता को आत्मसात करेंगे।
- उपनिषद् साहित्य और उपनिषदों की विषय वस्तु का ज्ञान।
- सनातन संस्कृत और प्राचीन विज्ञान और दर्शन की आवश्यकता को समझेंगे।
- भावी पीढ़ी में नैतिकता का विकास होगा।

Unit wise Division

इकाई-1 ऋग्वेद के विषय में विभिन्न विद्वानों के मत-बालगंगाधर तिलक, दयानन्द सरस्वती, मैक्समूलर, एम. विन्टरनित्ज, जैकोबी, बेबर।

इकाई-2 वेदों की प्रासंगकिता : वेदांग (व्याकरण, निरुक्त, कल्प, छन्द, शिक्षा, ज्योतिष) पाणिनी शिक्षा का अध्ययन

इकाई-3 निरुक्त- प्रथमोध्याय, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य अध्ययन।

इकाई-4 ईशावास्योपनिषद् एवं मुण्डकोपनिषद् : व्याख्या एवं आलोचना।

Reference

- ऋग्वेद संहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
- ऋक्सूक्त –सौरभ, डॉ. आर. के. लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरेठ।
- ईशावास्योपनिषद, डॉ. शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. कपिल देव द्विवेदी, वेदऋषि ट्रस्ट,
- निरुक्तम, डॉ. जमुना पाठक, चौखंबा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी।
- निरुक्तम, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

षष्ठ प्रश्न पत्र	ASS106	दर्शन-II

Course Objectives

- छात्रों में दार्शनिक चिंतन का विकास होगा।
- वेदान्त-सार के सिद्धान्तों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दार्शनिक तत्त्वों का अध्ययन करेंगे।

Course Outcomes

- वेदान्तसार के अनुसार तत्त्वानुशीलन करेंगे।
- जैन, बौद्ध, चार्वाक दर्शन में वर्णित ईश्वरीय सत्ता, प्रमाण इत्यादि का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तनों का तुलनात्मक अध्ययन करने में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- वेदान्त में प्रयुक्त महाकाव्यों को स्पष्ट करने में सक्षम होंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 वेदान्त सार, अर्थसंग्रह।

इकाई-2 तर्क संग्रह, वेदान्तदर्शन के विभिन्न सम्प्रदाय।

इकाई-3 सर्वदर्शन संग्रह-जैन, बौद्ध एवं चार्वाक दर्शन के विशेष संदर्भ में।

इकाई-4 भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन।

Reference

- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट (व्या.) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
- अर्थसंग्रह, डॉ. राजेश्वर शास्त्रीय मुसलागांवकर, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- अर्थसंग्रह, डॉ. राकेश शास्त्री, चौखंबा औरियन्टालिया, प्राच्य विद्या, दिल्ली।
- अर्थसंग्रह, डॉ. नरेश झा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- वेदान्तसार, श्रीरामशरण त्रिपाठी शास्त्री, चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी।
- वेदान्तसार, डॉ. यमुना राम त्रिपाठी, यमुनेशवातक, शारदा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
- वेदान्तसार, रामशंकर त्रिपाठी, चौखंबा ओरियन्टालिया, प्राच्य विद्या, दिल्ली।
- भारतीय दर्शन का इतिहास, आलोचन और अनुशीलन चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली-2004.
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना(अनु.) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली-1965.

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Course Objectives

- व्याकरणाचार्यों के मतानुसार शब्द धातुज का ज्ञान होगा।
- धातुओं के प्रकृति-प्रत्यय का ज्ञान होगा।
- स्त्री प्रत्ययों से स्त्रीलिङ्ग शब्दों का निर्माण, प्रकृति प्रत्यय का ज्ञान होगा।

Course Outcomes

- व्याकरणाचार्यों के मतानुसार शब्द धातुज का ज्ञान प्राप्त कर शब्द निर्माण में सक्षम होंगे।
- धातुओं के प्रकृति प्रत्यय का ज्ञान प्राप्त कर शब्द निर्माण, वाक्य निर्माण में दक्ष होंगे।
- स्त्री प्रत्ययों से स्त्रीलिङ्ग शब्दों का निर्माण, प्रकृति प्रत्यय का ज्ञान प्राप्त कर जातीय आधार पर शब्द विभाजन कर सकेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 तिङ्न्त एवं कृदन्त प्रकरण लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार।
इकाई-2 स्त्री प्रत्यय एवं समास लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार।
इकाई-3 भारतीय आर्य भाषा एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ।
इकाई-4 ध्वनिविज्ञान एवं ध्वनि परिवर्तन के विभिन्न प्रकार, ध्वनि सिद्धान्त-ग्रिम, वर्नर, ग्रासमैन तथा सेमेटिक सिद्धान्त

Reference

- लघु सिद्धान्त कौमुदी- वरदराजाचार्य प्रणीत, टीकाकार गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- सिद्धान्त कौमुदी।
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास, आचार्य श्री युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी।
- एम. ए. संस्कृत व्याकरण, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदाज, भैमी व्याख्या, भीमसैन शास्त्री(1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली , 1993
- लघु-सिद्धान्त कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचर्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंभा सुरभारतीय प्रकाशन।
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- लघु सिद्धांत कौमूदी, डॉ. उमेश चन्द पाण्डे, चौखंबा प्रकाशन।
- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्री, कपिल देव द्ववेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी द्वादश संस्करण-2010
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अष्टम प्रश्न पत्र	ASS108	काव्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र-II

Course Objectives:

- काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का गहनता से अध्ययन करेंगे।
- ध्वनिकार आनन्दवर्धन, अभाववादियों के मत समीक्षात्मक अध्ययन करेंगे।
- नाट्य ग्रह के विविध प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- नैषधीयचरितम् महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन करेंगे।
- महाकवि श्रीहर्ष का परिचय प्राप्त करेंगे।

Course Outcomes :

- काव्य प्रकाश के आधार पर व्यञ्जना सिद्धि को पहचान पाएंगे।
- काव्य में प्राप्त गुण एवं दोषों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में समर्थ होंगे।
- मृच्छकटिकम् के नाटकीय तत्त्वों का समीक्षात्मक अध्ययन करेंगे।
- नैषधं विद्वदौषधम् उक्ति की समीक्षा करने में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- "ध्वनि काव्य की आत्मा है" इस मान्यता विवेचन कर सकेंगे।
- काव्यशास्त्र के उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 काव्य प्रकाश: प्रथम उल्लास-व्यञ्जनासिद्धि।
सप्तम उल्लास दोष प्रकरण अष्टम उल्लास गुण विवेचन।

इकाई-2 ध्वन्यालोक-प्रथम उद्योत।

इकाई-3 नाट्यशास्त्र-द्वितीय अध्याय।

इकाई-4 मृच्छकटिक 1,2 अंक तथा नैषधीयचरित प्रथम सर्ग-50 श्लोक।

Reference :

- आचार्य मम्मट विरचित, काव्यप्रकाश, संपादक-श्री हरीदत्त शर्मा,चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, चौखंबा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
- काव्यप्रकाश रहस्यम, पं. श्री सीताराम, जयराम जोशी, पं. देवदत्त शास्त्री, विद्यानिधि, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- काव्यप्रकाशन, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
- नाट्यशास्त्र, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- नाट्यशास्त्रम, प्रो. यदुनाथप्रसाददुबे, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- मृच्छकटिम्, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाषा बाजार, मेरठ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

- मृच्छकटिम्, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी और पटना।
- नैषधीचरितम्, मोहनदेव पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- नैषधीचरितम्, आचार्य शेषराज शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, आचार्यलोकमणिदाहाल:, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली और वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखंबा विद्या विद्यभवन, वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. संस्कृत तृतीय सत्र विस्तृत पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र कोड ASS-109D अलंकार शास्त्र (Alankar Shastra)

Course Objectives

- साहित्य एवं काव्य को अलंकारिक दृष्टि से अध्ययन अलंकार साहित्य का विकास
- रसगङ्गाधर के आधार पर अलंकारों का अध्ययन करेंगे।
- काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों का अध्ययन करेंगे।

Course Outcomes

- काव्य में अलंकारों को जाने बिना उसके सौन्दर्य और वास्तविक अर्थ को नहीं जाना जा सकता, अत: अलंकारों का परिज्ञान आवश्यक।
- अलङ्कार ज्ञान में प्रवीण होकर न्यूतन काव्य रचना करेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 अलंकार शास्त्र का इतिहास, अलंकार शास्त्र के प्रमुख आचार्य एवं उसकी कृतियाँ।

इकाई-2 काव्यालंकार सूत्रवृत्ति:-सूत्रों की व्याख्या (तृतीयाधिकरणे गुणविवेचनात्मक:) एवं व्याख्यात्म प्रश्न।

इकाई-3 रसगङ्गाधर के आधार पर-. शब्दालंकार-1. अनुप्रास, 2. यमक, 3. श्लेष।

इकाई-4 काव्य प्रकाश दशम उल्लास- 1. उपमा और उसके भेद, 2. उत्प्रेक्ष, 3. रूपक, 4. संदेह, 5. अपह्नुति.6. अतिशयोक्ति, 7. तुल्ययोगिता, 8. व्यत्तिरेक, 9. विभावना, 10. विशेषोक्ति, 11. अर्थान्तरन्यास, 12. भ्रान्तिमान, 13. प्रतीप, 14. संसृष्टि, 15. सङ्कर, 16. सन्देह।

References :

- काव्यालंकार, डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- काव्यालंकार, डॉ. रामानन्द शर्मा, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- काव्यालंकार, सत्यदेव चौधरी, वासुदेव प्रकाशन, दिल्ली।
- रसगङ्गाधर:, डॉ. श्रीनारायण मिश्र, डॉ. शशिनाथ झा, विद्यावाचस्पति, (हिन्दी व्याख्या), चौखंबा कृष्णदास अदाकमी,वारासी।
- रसगङ्गाधर:, पं. श्री वद्रीनाथ झा, पं. श्री मदनमोहन झा, (हिन्दी व्याख्या), चौखंबा विद्याभवन (हिन्दी व्याख्या) चौक, बनारस।
- आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश, संपादक-श्री हरीदत्त शर्मा,चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, (हिन्दी व्याख्या), चौखंबा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
- काव्यप्रकाश रहस्यम, (हिन्दी व्याख्या), पं. श्री सीताराम, जयराम जोशी, पं. देवदत्त शास्त्री, विद्यानिधि, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- काव्यप्रकाशन, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न पत्र कोड- ASS110D नाट्यशास्त्र (Natyashastra)

Course Objectives :-

- आचार्य भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र का गहन अध्ययन करेंगे।
- दशरूपक के आधार पर काव्य भेद का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मृच्छकटिकम् नाटक का समीक्षात्मक अध्ययन।
- उत्तररामचरितम् का काव्यशास्त्रीय अध्ययन।
- नाटकीय तत्त्वों का अध्ययन कर समीक्षा करेंगे।

Specific Objectives

- नाट्यशास्त्र ग्रंथों का गहन अध्ययन करेंगे।
- दशरूपक के आधार पर काव्य विभाजन एवं काव्य का प्रयोजन बतायेंगे।
- नाट्यशास्त्रीय अध्ययन कर न्यूतन नाट्य विधा का निर्माण करने में सक्षम होंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 भरत नाट्यशास्त्र-अध्याय-6

इकाई-2 दशरूपकम-प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-3 दशरूपकम् तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-4 मृच्छकटिकम्-3 से 4 अंक-व्याख्या एवं प्रश्न तथा उत्तररामचरितम् 1 से 4 अंक प्रश्न एवं व्याख्या।

References

- नाट्यशास्त्र, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
- नाट्यशास्त्रम, प्रो. यदुनाथप्रसाददुवे, (हिन्दी व्याख्या), संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- मृच्छकटिम्, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, (हिन्दी व्याख्या), साहित्य भण्डार, सुभाषा बाजार, मेरठ।
- मृच्छकटिम्, (हिन्दी व्याख्या), डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी और पटना।
- उत्तररामचरितम्, डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी, (हिन्दी व्याख्या), चौखंबा सुभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- दशरूपक रहस्य, (व्याख्या) उर्मिला पाण्डेय, चौखंबा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी।
- दशरूपकम्, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, (हिन्दी व्याख्या), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- उत्तररामचरितम्, श्री शेषराज शर्मा शास्त्री, (हिन्दी व्याख्या), चौखंबा संस्कृत सीरिज ऑफिस, विश्वविद्यालय प्रेस, बनारस।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न पत्र कोड- ASS111D मिश्र साहित्य (Mishra Sahitya)

Course Objectives

- कथा, काव्य और गद्य साहित्य के परिज्ञान के लिए।
- गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं में काव्यलेखन एवं पठन में छात्रों की रुचि में वृद्धि होगी।

Course Outcomes

- गद्य और पद्य साहित्य के परिज्ञान, नाटक और काव्य से जीवन का निर्माण व्यक्तित्व विकास।
- गद्य पद्य विधाओं में वर्णित नायक, नायिकाओं के चरित्र का अनुशीलन करते हुए नैतिकता का विकास होगा।

Unit wise Division

इकाई-1 कादम्बरी कथामुख-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-2 रत्नावली नाटिका-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-3 शिशुपालवधम्-प्रश्न सर्ग-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-4 नैषधीयचरितम्-प्रथम सर्ग 50 से 125 श्लोक तक – प्रश्न एवं व्याख्या।

References

- नैषधीचरितम्, मोहनदेव पन्त, (हिन्दी व्याख्या), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- नैषधीचरितम्, आचार्य शेषराज शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- शुकनासोपदेश:, बाणभट्ट, संपा. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, प्रथम संस्करण-1986
- रत्नावली नाटिका, शिवराज शास्त्री, (हिन्दी संस्कृत व्याख्या), साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
- रत्नावली नाटिका, आचार्य श्रीराम चन्द्र मिश्र, चौखंबा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी।
- शिशुपालवधम्, (हिन्दी संस्कृत व्याख्या), डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, डॉ. चन्डिका प्रसाद शुक्ल, संस्कृत साहित्य भण्डार, इलाहाबाद।
- शिशुपालवधम् महाकाव्य, डॉ. शारदा चतुर्वेदी, (हिन्दी संस्कृत व्याख्या), चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वारणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न पत्र कोड- ASS112D संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(Sanskrit Kavyashastra Evam Pashchatya Kavyashastra)

Course Objectives

- काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।
- भारतीय सांस्कृतित्व तत्व एवं मूल्यों का आत्मसात कर उत्तम नागरिक बनेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन करेंगे।

Course Outcomes

- काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन करने में दक्षता प्राप्त कर नवीन काव्य लेखन प्रतिभा का विकास करेंगे।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्व एवं मूल्यों को आत्मसात कर उत्तम नागरिक बनेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1ध्वन्यालोक-द्वितीय उद्योत-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-2 साहित्य दर्पण प्रथम परिच्छेद-प्रश्न व्याख्या।

इकाई-3 साहित्य-दर्पण-द्वितीय परिच्छेद-प्रश्न एवं व्याख्या।

इकाई-4 (i) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य एवं काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त।

(ii) पाश्चात्य एवं संस्कृत काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन।

References

- ध्वन्यालोक, आचार्यलोकमणिदाहाल:, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली और वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखंबा विद्या विद्यभवन, वाराणसी।
- साहित्य-दर्पण, आचार्य श्रीनिवासशास्त्री, चौखंबा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी।
- साहित्य-दर्पण, सालिगराम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी।
- साहित्य-दर्पण, राज किशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र-लखनऊ।
- साहित्य-दर्पण, सत्यव्रत सिंह चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारतीय अकादमी, वाराणसी-2012.
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्परति गैरोला, चौखंबा विद्या भवन वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. संस्कृत चतुर्थ सत्र विस्तृत पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र कोड ASS113D　　उपनिषद् साहित्य का इतिहास　　100 अंक

Course Objectives

- उपनिषद् का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
- औपनिषदिक दार्शनिक तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- औपनिषदिक कर्म-संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।

Course Outcomes

- उपनिषदों में निहित उपदेशों को आत्मसात करेंगे।
- तात्कालिक अध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन करेंगे।
- नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों सें आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त करेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 उपनिषद् साहित्य की रूपरेखा।

इकाई-2 कठोपनिषद् –व्याख्या एवं प्रश्न।

इकाई-3 उपनिषद् साहित्य के दार्शनिक तत्त्व और सिद्धान्त।

इकाई-4 वर्तमान में उपनिषदों की उपादेयता।

References

- कठोपनिषद, गीताप्रेस गोरखपुर,
- डॉ. रामरत्न शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
- उपनिषद, एक रहस्य, लखनऊ किताबघर,
- उपनिषद-अंक-23वें वर्ष का विशेष, गोतीप्रेस, गोरखपुर।

प्रश्न-पत्र कोड ASS114D　　बौद्ध मत के सिद्धान्त　　100 अंक

Course Objectives

- बौद्ध दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन कर बौद्ध दर्शन के मर्मज्ञ बनेंगे।
- नास्तिक सम्प्रदायों में बौद्ध दर्शन के धर्म का स्थान व महत्व ज्ञात होगा।
- बौद्ध धर्म की शिक्षा का सारंश चार आर्य सत्यों में निहित है उनका ज्ञान प्राप्त होगा।

Course Outcomes:

- बौद्ध धर्म की जातक कथाओं में वर्णित सामाजिक सन्देशों को आत्मसात करेंगे।
- भारतीय दर्शनों में बौद्ध दर्शन का स्थान ज्ञात करेंगे।
- बौद्ध मत के इतिहास की जानकारी प्राप्त करेंगे।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

- महात्मा बुद्ध के जीवन की अनुकरणीय प्रेरक कथाओं का अनुसरण कर सच्चे सामामाजिक बनेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 बौद्ध मत का इतिहास।

इकाई-2 बौद्ध मत के सिद्धान्त (सर्वदर्शन संग्रह के अनुसार)।

इकाई-3 भगवान् बुद्ध से सम्बन्धित जातक कथाएँ और उनका सामाजिक संदेश।

इकाई-4 बौद्धमत का भारतीय दर्शन में स्थान।

References

- बौद्धधर्म मीमांसा, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा विद्याभवन चौक, बनारस।
- बौद्धदर्शन, राहुलसांस्कृत्यायन, किताब महल, इलाहाबाद।
- भारतीय दर्शन का इतिहास, आलोचन और अनुशीलन चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली-2004.
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना(अनु.) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली-1965.

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न-पत्र कोड ASS115D संस्कृत व्याकरण एवं भाषा शास्त्र 100 अंक

Course Objectives

- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा शब्द कोश में वृद्धि होगी।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होगे।
- ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप से परिचित होंगे।

Course Outcomes

- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का विकास होगा।

Unit wise Division

इकाई-1 कृदन्त - सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर

(क) कृत्य प्रक्रिया (ख) पूर्वकृदन्त (ग) उत्तर कृदन्त।

इकाई-2 तद्धित प्रकरण – (सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)।

इकाई-3 समास – (सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)।

इकाई-4 भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र-(क) अर्थविज्ञान (ख) वाक्य विज्ञान।

References

- सिद्धान्त कौमुदी दीपिका, (द्वितीय भाग) पं. श्रीराम किशोर त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- सिद्धान्त कौमुदी दीपिका, (चतुर्थ भाग) पं. श्रीराम किशोर त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी, पं. रामचन्द्र झा, व्याकरण आचार्य, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न-पत्र कोड	ASS116D	विज्ञान और संस्कृत	100 अंक

Course Objective :

- संस्कृत भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन से व्यक्ति के मस्तिष्क का विकास होगा।
- छात्रों में तार्किक चिन्तन का विकास होगा।
- संस्कृत साहित्य का वैज्ञानिक अध्ययन करने में दक्षता प्राप्त करेंगे।

Course Outcomes:

- संस्कृत भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन द्वारा आधुनिक विज्ञान परिवेश में इसे प्रयोग करेंगे।

Unit wise Division

इकाई-1 भारतीय कालगणना का इतिहास।
इकाई-2 संस्कृत साहित्य में वैमानिकी एवं गणित।
इकाई-3 संस्कृत साहित्य में चिकित्सा विज्ञान।
इकाई-4 संस्कृत साहित्य में पर्यावरण एवं जीव विज्ञान।

References:

- चरक-संहिता, (सम्पा.) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- आयुर्वेद का बृहद-इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दीसमिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण-1976.
- संस्कृत –वाङ्मय का बृहद-इतिहास, बलदेव उपाध्याय, (सप्तमदश-खण्ड) उत्तर प्रदेश-संस्कृत-संस्थान लखनऊ-2006.
- आयुर्वेद –इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, वाराणसी।
- संस्कृत-वाङ्मय में गणित परम्परा, दयाशंकर त्रिपाठी, चौखंबा औरियन्टालिया प्राच्य विद्या, दिल्ली।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रश्न-पत्र कोड ASS117D लघु शोध-प्रबन्ध एवं मौखिकी 100 अंक

Course Objective

- अनुसंधान के कार्य को बढ़ावा देना।
- छात्रों को अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण प्रदान करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त बाधाओं का अनुसंधानात्मक तरीके से समाधान करना।
- समस्याओं का अनुसंधानात्मक निदान करना।
- छात्रों में अनुसंधानात्मक वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।
- अनुसंधान के माध्यम से छात्रों में तार्किक चिंतन, एवं बौद्धिक क्षमता का विकास करना।
- साहित्य के क्षेत्र में प्रयोगात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

Course Outcomes

- एकीकृत तथ्यों एवं खोज को मार्ग बनाकर नवीन खोज के लिए अग्रसर होंगे।
- छात्रों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- अनुसंधानात्मक क्रियाकलापों में रुचि बढ़ेगी।
- छात्र स्वयं समस्या का समाधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कर सकेंगे।
- नवीन शोध कार्यों की संभावनाऐं बढ़ेंगी।
- नवीन शोध कार्यों की प्रेरणा मिलेगी।

Unit wise Division

(A) लघु शोध-प्रबन्ध- 50 अंक

(B) मौखिकी- 50 अंक

References

- अनुसंधान -प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, डॉ.एस.एन. गणेशन, लोक भारती प्रकाशन ।
- अनुसंधान की प्रक्रिया, डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ विजेंद्र स्नातक,नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
- अनुसंधान का विवेचन, डॉ उदय भानु, हिंदी साहित्य संसार दिल्ली एवं पटना ।
- प्राच्य विद्या में अनुसंधान के विविध आयाम, डॉ हरे राम त्रिपाठी, डॉ.हरिप्रसाद अधिकारी,संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी।
- छात्र द्वारा चयनित शोध विषय के क्षेत्र से संबंधित सहायक ग्रंथ भी इस प्रश्न पत्र में सहायक पुस्तक के रूप में शामिल होंगे

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar